

No. of Printed Pages : 6

BLE-001

DIPLOMA IN PARALEGAL PRACTICE

(DIPP)

Term-End Examination

June, 2024

**BLE-001 : INTRODUCTION TO THE INDIAN
LEGAL SYSTEM**

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

Note : *This question paper is divided into **three** Parts A, B and C. All Parts are compulsory.*

Part—A

Note : *Write short notes on any **four** from the following in about **150** words each. Each note carries 5 marks. $4 \times 5 = 20$*

1. Equality before law and equal protection of law.
2. Audi alteram partem.
3. Continuous Mandamus.
4. Delegated Legislation.
5. Role of Paralegals.

P. T. O.

Part—B

Note : Answer any **five** questions in about **300** words each. Each question carries 10 marks. 5×10=50

6. Discuss the information that are exempted from disclosure to the general public.
7. Discuss the beneficiaries under The Legal Services Authority Act, 1987.
8. Explain the Appellate jurisdiction of Supreme Court in criminal matters.
9. What is Mandate for National Commission for Scheduled Castes and Scheduled Tribes ? Discuss.
10. How Indian Courts have interpreted the word 'life' in judicial decisions ? Explain.
11. Discuss Doctrine of Severability as incorporated under Article 13 of Indian Constitution.
12. What is the role of constitution in a Democracy ? Explain.

Part—C

Note : Answer any **two** questions in about **500** words each. Each question carries 15 marks. 2×15=30

13. Discuss the procedures involved in different legislative processes of the Parliament.

14. Discuss the concept of Parliamentary democracy in context of Indian Democracy. How is it different from Presidential Democracy ?
15. Discuss how social justice can be attained in the society with the help of Directive Principles of State Policy.
16. While discussing the evolution of PIL in India, elaborate as to how this evolution have played a major role in ensuring and securing the rights of poor and oppressed.

BLE-001

अर्धविधिक व्यवहार में डिप्लोमा

(डी. आई. पी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एल.ई.-001 : भारतीय विधि व्यवस्था का परिचय

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : प्रश्न-पत्र तीन भागों 'अ', 'ब' और 'स' में
विभाजित है। सभी भाग अनिवार्य हैं।

भाग—अ

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर (प्रत्येक) लगभग
150 शब्दों में संक्षिप्त नोट लिखिए। प्रत्येक नोट
5 अंक है।

1. कानून के समक्ष समानता और कानून का एकसमान संरक्षण।
2. ऑडी आल्टेरम पार्टेम (दूसरे पक्ष को सुनना)।

3. सतत् परमादेश।
4. प्रत्यायोजित विधान।
5. पैराविधिकों (Paralegals) की भूमिका।

भाग—ब

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 300 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं। 5×10=50

6. ऐसी सूचना (information) की चर्चा कीजिए, जिसे आम जनता क सामने प्रकटीकरण से छूट मिली हो।
7. कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अन्तर्गत लाभार्थियों की चर्चा कीजिए।
8. आपराधिक मामलों में सर्वोच्च न्यायालय के अपीलीय क्षेत्राधिकार का वर्णन कीजिए।
9. राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग का जनादेश (Mandate) क्या है ? चर्चा कीजिए।
10. भारतीय न्यायालयों ने न्यायिक निर्णयों में 'जीवन' शब्द की व्याख्या कैसे की है ? समझाइए।
11. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13 के अन्तर्गत सम्मिलित पृथक्करणीयता के सिद्धान्त की चर्चा कीजिए।
12. लोकतंत्र में संविधान की भूमिका क्या है ? वर्णन कीजिए।

भाग—स

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर
(प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक
प्रश्न के 15 अंक हैं। $2 \times 15 = 30$

13. संसद की विभिन्न विधायी प्रक्रियाओं में सम्मिलित कार्यविधियों की चर्चा कीजिए।
14. भारतीय लोकतंत्र के संदर्भ में संसद के लोकतांत्रिक स्वरूप की संकल्पना की चर्चा कीजिए। अध्यक्षीय लोकतंत्र (Presidential Democracy) से यह कैसे भिन्न है ?
15. राज्य के नीतिनिर्देशक सिद्धान्तों की सहायता से समाज में सामाजिक न्याय की प्राप्ति कैसे की जा सकती है, चर्चा कीजिए।
16. भारत में पी. आई. एल. (जनहित याचिका) की प्रारम्भता की चर्चा करते समय स्पष्ट कीजिए कि इसकी प्रारम्भता ने निर्धन एवं उत्पीड़ितों के अधिकार सुनिश्चित एवं असुरक्षित करने में एक बड़ी भूमिका कैसे निभाई है।